आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 157 मुद्रण तारीख » 1 जनवरी 2025 कुल पृष्ठ » 20

43वां
दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक: 8 व 9 फरवरी, 2025
स्थान : सेवा महातीर्थ, बड़ी उदयपुर

43वां दिव्यांग एवं निर्धन
सामूहिक विवाह समारोह

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

कन्यादान (एक कन्या)
₹ 1,00,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

आंशिक कन्यादान (एक कन्या)
₹ 51,000

मेहंदी और हल्दी रस्म (प्रति जोड़ा)
₹ 5,100

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह
2025
NARAYAN SEVA SANSTHAN

Donate via UPI

Google Pay
PhonePe
Paytm

narayanseva@sbi

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 157 मुद्रण तारीख » 1 जनवरी 2025 कुल पृष्ठ » 20

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

नववर्ष, मकर संक्रांति व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

06

07

09

10

14

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 January, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

सकारात्मक सोच से सब संभव

उद्देश्य के बिना व्यक्ति का जीवन महत्वहीन है। वह ठीक वैसा ही है, जैसे बिना पतवार की नाव। मनुष्य जीवन इसलिए नहीं मिला है कि उसे निरूद्देश्य गंवा दिया जाए। वह तो कुछ करने के लिए मिला है, ताकि मरने के बाद भी समाज में उसका स्मरण और भावी पीढ़ी अनुप्राणित हो।

मानव जीवन में सुख-दुःख के अवसर आते ही रहते हैं। कोई धनोपार्जन में रात-दिन एक कर देता है, किसी के सन्तान नहीं है तो कोई सन्तान पक्ष से ही दुःखी है। किसी को सन्तान की सफलता पर गर्व है। कोई नौकरी से दुःखी तो कोई नौकरी न होने से दुःखी है। किसी को कन्या के विवाह की चिन्ता है, तो कोई व्यापार में सफलता के लिए एड़ी से चोटी तक पसीना बहाकर भी सफल नहीं हो पा रहा है। मनुष्य को अपने कृतकार्य होने पर सुख मिलता है और असफल रहने पर दुःख। एक सामान्य उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। शीतकाल में धूप में बैठना अच्छा लगता है और ज्येष्ठ की दोपहरी में हम उसी धूप से बचना चाहते हैं। अर्थात आनंद का अनुभव हर किसी भी स्थिति-परिस्थिति में किया जा सकता है। उद्देश्य के बिना व्यक्ति का जीवन महत्वहीन है। वह ठीक वैसा ही है, जैसे बिना पतवार की नाव। मनुष्य जीवन इसलिए नहीं मिला है कि उसे निरूद्देश्य गंवा दिया जाए। वह तो कुछ करने के लिए मिला है, ताकि मरने के बाद भी समाज में जिसका स्मरण और भावी पीढ़ी उससे अनुप्राणित हो। स्मरणीय जीवन जीने के लिए सफलता के सोपान चढ़ने होते हैं। इंसान दूसरे इन्सान से अधिक सफल होने के सपने देखता भी है। सफलता प्राप्त करना कठिन कार्य तो है ही परन्तु असंभव नहीं। अपने काम के तरीकों और सोचने की प्रक्रिया में कुछ बदलाव लाकर सफलता की सीढ़ियां आसानी से चढ़ी जा सकती हैं। सकारात्मक सोच सफलता प्राप्त करने की बड़ी सीढ़ी है। आत्म विश्वास को डगमगाने न दें। समय व्यर्थ में न गंवाएं। जिसने समय के मूल्य को जान लिया, वे नाम कर गए। अपना काम स्वयं करें। अपने भीतर की हीन भावना को निकाल कर आत्मबल बढ़ाएं। आत्मबल सकारात्मक सोच से ही बढ़ेगा।

द्रोणाचार्य हस्तिनापुर में कुरूकुल के बालक पाण्डव व कौरवों को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा दे रहे थे। एक दिन श्याम वर्ण वनवासी बालक उनके पास आया। उसने आचार्य के चरणों में प्रणाम करके प्रार्थना की -'मेरा नाम एकलव्य है। मैं इस आशय से आया हूँ कि आप श्री मुझ पर भी अनुग्रह करें और मुझे अस्त्र-शस्त्र विद्या सिखाने की कृपा करें।'आचार्य को उस बालक की नम्रता प्रिय लगी, किन्तु वे राजकुमारों के साथ एक वनवासी बालक को प्रशिक्षण की अनुमति नहीं दे सकते थे। एकलव्य निराश होकर लौट गया। कुछ अर्से बाद द्रोणाचार्य वन में शिष्यों के साथ भ्रमण करने निकले। पाण्डवों का एक श्वान उस तरफ चला गया जहां एकलव्य तीरन्दाजी के अभ्यास में व्यस्त था। श्वान उसे देखकर भूंकने लगा। एकलव्य ने अभ्यास में बाधा पड़ती देख उस ओर बाण छोड़ दिए जिधर से भूंकने की आवाज आ रही थी। श्वान का मुख बाणों से भर गया। श्वान घबराकर पाण्डवों के पास भाग आया। कुत्ते का मुख बाणों से भरा था, किन्तु उसके मुख पर कहीं खरोंच तक नहीं थी। अर्जुन को यह देख बहुत आश्चर्य हुआ। आचार्य भी आश्चर्य चकित थे। वे उस धर्नुधार की खोज में चल पड़े। उन्होंने देखा कि आचार्य द्रोण की मिट्टी की प्रतिमा के समीप की एक बालक तीरन्दाजी के अभ्यास में व्यस्त है। तभी बालक पदचाप की आहट से चौकन्ना हुआ। उसने द्रोणाचार्य को अपने सामने पाया। वह उनके चरणों में गिर पड़ा और बोला यह आपकी कृपा और प्रेरणा का ही सुफल है। अर्जुन बोला 'गुरूदेव। इसके हस्त कौशल के आगे तो मैं धुर्नुविद्या में नगण्य हूँ।' द्रोणाचार्य ने एकलव्य से गुरू दक्षिणा में उसके दाएं हाथ का अंगूठा ही मांग लिया ताकि सर्वश्रेष्ठ धर्नुघर होने का उसका दावा ही समाप्त हो जाए। बालक ने तत्काल अंगूठा काट कर दे दिया लेकिन इतिहास में अमर हो गया।

सेवक प्रशांत भैया

सबके हित में अपना भी भला

मानव-जीवन की सार्थकता परहित के लिए आत्मबलिदान करने की भावना में निहित है। यही परमधर्म भी है। मानवता का यह उच्चतम आदर्श जीवन का ध्येय बनना चाहिए। परोपकार की सद्वृत्ति ही मानव के अन्तःकरण को आलोकित करने का सामर्थ्य रखती है। परोपकार से उपकृत व्यक्ति को तो तत्काल लाभ पहुंचता ही है, साथ ही उपकार करने वाला व्यक्ति भी आत्म सन्तोष अनुभव करता है। पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

मनुष्य को जीवन का यह उद्देश्य बना लेना चाहिए कि सर्वहितार्थ निष्काम भाव से काम किया जाए। किसी से द्वेष न करें, न किसी का बुरा करें, न बुरा चाहें। भक्त प्रहलाद ने उनके लिए भी हमेशा मंगल कामनाएं की, जिन्होंने उनके विरूद्ध आचरण किया। मनुष्य का लक्ष्य विषयों का भोग नहीं है, संसार के सुख में लिप्त हो जाना भी नहीं है। अपितु सबका हित चिंतन और उसके अनुरूप कार्य करना है। सबके हित में ही अपना हित है। भला कैसे हो, सबको सुख और संतोष कैसे मिले इस पर सोचते और काम करते रहना है। देवराज इंद्र व देवताओं की प्रार्थना पर महर्षि दधीचि ने देहत्याग किया। उनकी अस्थियों से विश्वकर्मा ने वज्र बनाया। जिससे इन्द्र ने वृत्रासुर को मारकर स्वर्ग पर पुनः अधिकार किया। जब यह बात माता सुवर्चा से बालक पिप्पलाद ने सुनी तो उसे देवों पर बड़ा क्रोध आया और उसने देवताओं को नष्ट करने के संकल्प को लेकर गौतमी नदी तट पर तपस्या आरम्भ की। तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न हुए और दर्शन देकर पिप्पलाद से वर मांगने को कहा। पिप्पलाद बोले हे। प्रलयंकर प्रभु ! आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो अपना तीसरा नेत्र खोलें, और मेरे पिता के घातक देवताओं को भस्म कर दें। प्रभु बोले - 'पुत्र ! मेरे रूद्र-रूप का तेज तुम सहन न कर पाते, इसलिए मैं तुम्हारे सामने सौम्य रूप में प्रकट हुआ हूँ। मेरे तृतीय नेत्र का आव्हान मत करो। उससे सम्पूर्ण सृष्टि भस्म हो जाएगी।'

पिप्पलाद ने कहा - 'न देवताओं और न विश्व से मुझे कुछ लेना-देना है। आप तो उन स्वार्थी देवों को भस्म कर ही दें।' भगवान शिव मुस्कराए। उन्होंने कहा- 'तुम्हे एक अवसर दे रहा हूँ, तुम अपने अन्तःकरण में मेरे रूद्र-रूप का दर्शन तो कर लो।' पिप्पलाद ने त्रिलोचन भगवान रूद्र का दर्शन किया। उस ज्वालामय प्रचंड स्वरूप के अंतःकरण में प्रकटीकरण से उसे लगा कि रोम-रोम भस्म हुआ जा रहा है। पिप्पलाद का पूरा शरीर थर-थर कांपने लगा। उसे लगा कि उसके चेतनाहीन होने में अब विलम्ब नहीं है। आर्तस्वर में उसने भगवान शंकर को पुकारा। अंतःकरण से प्रचंड मूर्ति हट गई। सामने मुस्कराते प्रभु खड़े थे। उसने उलाहना दिया 'मैंने तो आप से देवताओं को भस्म करने की प्रार्थना की थी, पर अपने तो मुझे ही भस्म करने की शुरूआत कर दी।' भगवान ने उसे स्नेह पूर्वक समझाया कि- 'विनाश किसी एक जगह से ही शुरू होकर व्यापक बनता है और सदा वहीं से प्रारंभ होता है, जहां उसका आव्हान किया गया हो। तुम्हारे हाथ के देवता इंद्र हैं, नेत्र के सूर्य, नासिका के अश्विनी कुमार, मन के चन्द्रमा। इसी प्रकार प्रत्येक इन्द्रिय तथा अंग के अधि देवता हैं। यदि उन्ही को नष्ट कर दिया गया तो शरीर ही कैसे रह पाएगा? इस बात को समझो कि दूसरों का अमंगल चाहने पर पहले स्वयं का अमंगल होता है। तुम्हारे पिता महर्षि दधिची ने दूसरों के कल्याण के लिए अपनी अस्थियाँ तक दे दीं। इस त्याग ने उन्हें अमर बना दिया। वे दिव्य धाम में अनन्त काल तक निवास करेंगे। तुम्हें भी अपने पिता के अनुरूप दूसरों के मंगल का ही चिंतन करना चाहिए।

इस प्रसंग से हमें समझ जाना चाहिए कि जो अपने स्वार्थ का त्याग कर दूसरों के कुशल क्षेम के लिए आगे बढ़कर सोचते और कार्य करते हैं, समाज में उनका स्थान सर्वदा ऊंचा रहता है। खेत में बोए हुए सभी बीज अंकुरित नहीं होते, परन्तु जीवन में किए गए सत्कर्मों का एक भी बीज व्यर्थ नहीं जाता।

स्नान –दान लोक कल्याण का पर्व
मकर संक्रांति

भारतीय परम्परा में दान को अति महत्वपूर्ण माना गया है। मकर संक्रांति दान का ही महापर्व है। सूर्यदेव के मकर राशि में प्रवेश को ही मकर संक्रांति कहा जाता है। सूर्यदेव इस दिन (14 जनवरी) अपनी उत्तरायण गति प्रारम्भ करते हैं, तदर्थ यह पर्व उत्तरायणी के नाम से भी जाना जाता है। सूर्यदेव धरती पर पंचदेवों में से एक मात्र साक्षात स्वरूप हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की उपासना, दान, एवं गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इस बार तो तीर्थराज प्रयागराज (संगम तट) में महाकुंभ मेले के आयोजन से यहां स्नान - दान का महत्व और अधिक हो गया है। देश के विभिन्न तीर्थों में भी इस अवसर पर मेलों का आयोजन होगा। गंगा सागर (प.बंगाल) में इस दिन लाखों लोग स्नान,-दान करते हैं, जो देश के विभिन्न भागों से वहां पहुंचेंगे।

उत्तरायणी में सूर्योपासना विशिष्ट फलदायी है। सूर्योपनिषद के अनुसार सभी देव, ऋषि- मुनि सूर्य की राशियों में निवास करते हैं। इनकी पूजा-अर्चना कर इनसे आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। शुभ मुहूर्त में अथवा प्रातः गंगा अथवा अन्य पवित्र नदी में स्नान कर सूर्यदेव को अर्ध्य देना लाभ दायक होता है। इस दौरान गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने 6 माह तक बाण-शैया पर लेटे हुए प्राण त्यागने के लिए मकर संक्रांति की प्रतीक्षा की थी। इसी दिन भगवती माँ गंगा भगीरथ के पीछे चलते हुए कपिल मुनि के आश्रम को छूते हुए सागर में जा मिली थीं। मकर संक्रांति पर भारत में विशेषकर उत्तर भारत में भगवान सूर्यदेव को खिचड़ी व तिल के लड्डू का भोग लगाकर गरीबों में बांटने व वस्त्र दान की परम्परा है। इसलिए इस पर्व को खिचड़ी पर्व के साथ दान का महापर्व भी कहा जाता है।

आपके अपने नारायण सेवा संस्थान द्वारा मकर संक्रांति पर अन्न-वस्त्र दान आदि के विशाल शिविरों के आयोजन साथ 'खिचड़ी' व तिल लड्डूओं का भंडारा भी लगेगा। इस में सहभागी बनकर आपश्री भी पुण्यार्जन करें।

आयुर्वेदिक थैरेपी देगी सर्दी में राहत

आयुर्वेद में प्रयुक्त थैरेपी भी ठंड के मौसम में शारीरिक परेशानियों से राहत दिलाती हैं। इनसे जोड़ों में अकड़न, मोटापा, उच्च रक्तचाप और थकान जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। बुजुर्गों के लिए ये विशेष उपयोगी हैं।

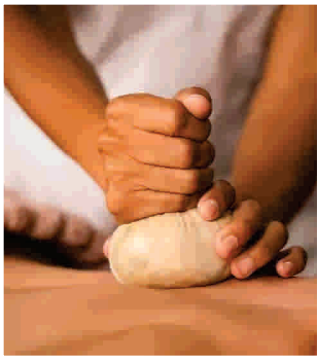

पोटली मसाज

यह एक तरह से पूरे शरीर की मसाज है। इसमें अश्वगंधा, नीम, सरसों, हल्दी, अदरक, ग्वारपाठा, प्याज आदि के फूल-पत्ते सुखाकर काम में लेते हैं। इन्हें कूट-छान कर पोटली में बाँध कर आयुर्वेदिक चिकित्सक के निर्देशानुसार गर्म तेल में डूबोकर उससे शरीर के उस भाग पर मसाज किया जाता है, जहाँ दर्द महसूस होता है। आर्थराइटिस, स्पॉन्डिलाइटिस, फ्रोजन शोल्डर, ऑस्टियोआर्थराइटिस आदि में ये विशेष काम देती है। इससे रोम छिद्र खुलते हैं और मांसपेशियों का खिंचाव खत्म होकर दर्द में आराम मिलता है।

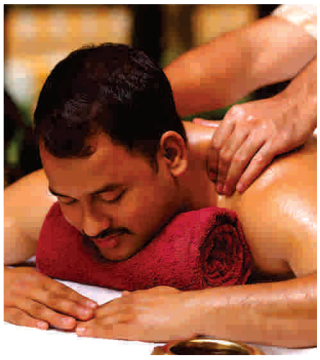

अभ्यंगा मसाज

यह मसाज मानसिक व शारीरिक दोनों में लाभदायक है। इससे रक्त संचार दुरूस्त होता है व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जोड़ों की अकड़न दूर होने से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। थकान व अनिद्रा की समस्या भी दूर होती है। इसके लिए आयुर्वेद में विभिन्न तेल हैं, जिनमें से अभ्यंगा मसाज के लिए चिकित्सक के परामर्श से चयन करना होता है। इसका मसाज पूरे शरीर पर भी किया जा सकता है। सुबह के समय खाली पेट यह थैरेपी ज्यादा लाभदायक होती है, सिर, पैरों के पंजे और शरीर के विभिन्न जोड़ों पर यह काफी लाभदायी है।

उद्वर्धनम् मसाज

आंवला, सौंठ, लौंग, हरितकी जैसी जड़ी-बूटियों को आयुर्वेदिक चिकित्सक द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार पीस कर कपड़छान करना होता है। इसका मसाज सूखे पाउडर व तेल के साथ भी होता है। सूखा पाउडर त्वचा पर रगड़ने से मृत त्वचा हटती है और रोमछिद्र खुल जाते हैं। तेल मिश्रित पाउडर के मसाज से त्वचा में चमक आने के साथ, सर्दी में होने वाले त्वचा रोग दूर होते हैं। यह मोटापा, मधुमेह और रक्तचाप में भी फायदेमंद है।

इस पाउडर मिश्रित,आयुर्वेदिक तेल की सिर में मालिश करने से तनाव, अनिद्रा और तंत्रिका-तंत्र सम्बंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है।

इस पर भी ध्यान दें 1. हल्का और गर्म खाना खाए। ठंडी चीजों से परहेज करें। ठंडी चीजों के प्रयोग में लेने से जठराग्नि मंद होकर पाचन प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। 2. भारी, तले हुए और मीठा भोजन न करें। दाल एवं हरी सब्जियों का सूप अधिक लें। 3. सब्जियों में अदरक गरम मसालों जैसे इलायची, जीरा, काली मिर्च, हल्दी, दालचीनी हींग आदि का उपयोग करें। 4.नियमित रूप से योग व व्यायाम करें।

ट्रेन हादसे में खोए पांव
संस्थान ने दी खुशहाल जिंदगी

लुधियाना (पंजाब) में दिव्यांग संजय पासवान नारायण सेवा संस्थान के माध्यम से पत्नी और दो बेटियों के साथ आज खुशहाल और आत्मनिर्भर जीवन यापन कर रहे हैं। बिहार के पटना जिले के ग्राम डुमरी निवासी संजय कॉलेज में शिक्षा ग्रहण करने के दौरान एक ट्रेन हादसे में अपने दोनों पांव गंवा चुके हैं। इस घटना ने उनके सारे सपनों को बिखेर दिया। उनकी उंमगों को ग्रहण लग गया। पूरी तरह निराश थे।हर कदम पर चुनौतियां थीं। लेकिन हौसला बुलंद था। वर्ष 2016 में संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिलने पर ये संस्थान के सम्पर्क में आए और तभी से इनके जीवन में उत्साह का पुनः संचार हुआ। संस्थान ने न केवल कृत्रिम पांवों के सहारा इनकी रूकी हुई जिन्दगी को फिर से गतिमान किया बल्कि संस्थान द्वारा आयोजित दिव्यांग टैलेंट शो में प्रतिभागी बनाकर इन्हें पहचान दी। संजय ने भी अपनी क्षमता और प्रतिभा से समाज को आश्चर्य चकित कर दिया। संजय के जीवन का अहम फैसला भी संस्थान के माध्यम से हुआ। संस्थान ने इन्हें जीवन साथी चुनने में मदद तो की ही सात फेरे भी संस्थान के सामूहिक दिव्यांग युवक-युवती विवाह में दिलवाकर गृहस्थी बसाने में इनकी भरपूर मदद की। इनकी पत्नी भी एक पांव से दिव्यांग है।

10 नवम्बर को लुधियाना में संस्थान द्वारा आयोजित संस्थान के कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर में इनकी मुलाकात संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया से पुनः हुई। भैया जी को ज्ञात हुआ कि ये इन दिनों रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने शीघ्र ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया और 15 नवम्बर को इन्हें सब्जी भरी एक ठेला गाड़ी प्रदान की गई। पति-पत्नी दोनों दुकान को चलाते हैं और खुशहाल जिन्दगी जी रहे हैं। संस्थान इससे पूर्व भी संजय जैसे अनेक लोगों को दानदाताओं के माध्यम से रोजगार प्रदान कर चुका है।

बूटा सिंह की खोई खुशियां लौटा लाया संस्थान

पंजाब के मानसा जिले के किशनगढ़ फरवाही के रहने वाले बूटा सिंह और उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा था। बूटा सिंह एक कंपनी में काम करते हैं। शादी के कुछ माह बाद ही उनके जीवन में ऐसा तूफान आया कि पूरा परिवार संकट में पड़ गया। यह हादसा 28 मई 2023 को हुआ, जब रात के समय नौकरी से लौटते हुए वे एक गंभीर ट्रैक्टर दुर्घटना का शिकार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनके परिवार और पत्नी को इस दुःखद घटना की सूचना दी गई। इस दुर्घटना ने उनके जीवन में असीम पीड़ा और संघर्ष ला दिया, क्योंकि उन्होंने इस हादसे में अपना दायां पैर खो दिया था।

पत्नी और परिवार के आंसुओं में, बूटा सिंह ने अपनी जिंदगी की सारी खुशियाँ ही खो दीं और बैसाखियों के सहारे जीवन बिताने पर मजबूर होना पड़ा। किसी ने उन्हें सलाह दी कि वे जयपुर में कृत्रिम पैर बनवाएं। उन्होंने इसे आजमाया, लेकिन यह पैर वजनी होने के कारण चलने में तकलीफ देता था। फिर, 21 जुलाई को, उनके एक मित्र ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान के लुधियाना में आयोजित निःशुल्क नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर के बारे में बताया। इस शिविर में उनके कृत्रिम पैर का माप लिया गया और तीन महीने बाद फिटमेंट शिविर में उन्हें एक हल्का और आरामदायक नारायण लिम्ब दिया गया।

इस कृत्रिम पैर की मदद से अब बूटा सिंह पहले से कहीं अधिक आराम से चल सकते हैं। उन्होंने अपनी जीवन की खोई हुई खुशियों को फिर से पा लिया है और यह सब नारायण सेवा संस्थान और उसके दानदाताओं की मदद से संभव हो सका। बूटा सिंह आज जीवन में फिर से आत्मनिर्भरता के साथ नए सपने लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए वे संस्थान का बारम्बार आभार व्यक्त करते हैं।

लखनऊ में 690 दिव्यांगों का जीवन हुआ सार्थक

नारायण सेवा संस्थान का नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर लखनऊ के दयाल गेटवे होटल, किसान बाजार में 1 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। शिविर में 690 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर व मल्टीपल कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह और महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव ने शिरकत की। मुख्य अतिथि ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को सशक्त ही नहीं कर रहा बल्कि उनके जीवन को सुगम और सार्थक भी बना रहा है। यह देश-दुनिया को सुखी और स्वस्थ बनाने के लिए विश्व एक परिवार के भाव को मजबूत करने वाला भी है। उन्होंने बलिया जनपद में भी संस्थान के माध्यम से ऐसे शिविरों के आयोजन की घोषणा की।

शिविर की अध्यक्षता कर रही श्रीमती अपर्णा यादव ने सेवा शिविर से लाभान्वित होकर अपने पैरों पर चलते हुए नई जिंदगी शुरू करने वालों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने दिव्यांगों की सेवा में संस्थान की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए लखनऊ में पुनः शिविर का आग्रह करते हुए व्यक्तिगत योगदान की पेशकश की।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव, श्री ओमप्रकाश गुप्ता व श्रीमती मीरा देवी ने भी संस्थान के इस मानव सेवा यज्ञ के लिए आभार प्रकट किया। आरम्भ में संस्थान के ट्रस्टी - निदेशक देवेंद्र चौबीसा और निदेशक मीडिया व जनसंपर्क भगवान प्रसाद गौड़ ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया। ट्रस्टी चौबीसा ने संस्थान की एक मुट्ठी आटे से अब तक की सेवाओं से रूबरू कराया। उन्होंने संस्थान का 2025 का सेवा संकल्प पत्र भी प्रस्तुत किया। शिविर में 171 लोवर लिंब, 131 अपर लिंब,90 मल्टिपल लिंब और 270 केलिपर्स लगाए गए। शिविर प्रभारी श्री हरि प्रसाद लढ्ढा और श्री बद्री लाल शर्मा ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

रीलो पावर ने चिल्ड्रन एकेडमी को दी स्कूल बस

अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई (यूपीएस) सिस्टम निर्माण में देश की अग्रणी कम्पनी रीलो पावर इण्डिया प्रा. लि. ने 21 नवम्बर को संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के लिए 52 सीटर बस भेंट की।

संस्थान के गुरूग्राम स्थित आश्रम में एक सादे समारोह में रीलो पावर के अधिकारियों ने अपने सीएसआर (सामाजिक दायित्व) के तहत बस की चाबी सौंपी। यह बस संस्थान द्वारा उदयपुर में संचालित निःशुल्क अंग्रेजी माध्यम एकेडमी के निर्धन बच्चों के आवागमन को अधिक सुविधा प्रदान करेगी।

रीलो पावर के बिजनेस डेवलपमेंट एंड वाइस प्रेसिडेंट आनटोनियो कोसिया ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान के प्रकल्पों में सहयोग करते हुए हमें प्रसन्नता है। इस दौरान डायरेक्टर जनरल, इटली, फाबियो पस्युलो, रोबर्टो फक्की, आस्कर टेम्पेरा, सीएफओ अनिल मुंजाल और चित्तरंजन चक्रा ने भी समारोह को सम्बोधित किया तथा भविष्य में भी सहयोग का भरोसा दिया। संस्थान के आश्रम प्रभारी भंवर सिंह राठौड़ ने कम्पनी व उनके अधिकारियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

दिव्यांगजन की सेवा ही पूजा : शर्मा

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर संस्थान में 3 दिसम्बर को संस्थापक -चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी मानव के सानिध्य में विविध सेवा आयोजन हुए। जरूरतमंद दिव्यांगजन को निःशुल्क नारायण कृत्रिम अंग (हाथ-पांव) व व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल आदि का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं एडीजे श्री कुलदीप शर्मा व विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक श्री गिरीश भटनागर थे। पूज्य गुरूदेव ने संस्थान की 40 वर्षीय सेवायात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने कहा कि निराश्रित, रोगी और दिव्यांगजन की सेवा ईश्वर की पूजा के समान है। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने संस्थान के विविध सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्थान सातों दिन-चौबीस घन्टे समाज सेवा में तत्पर है। संचालन परियोजना विभाग प्रभारी श्री संजय दवे ने किया।

सेवा महातीर्थ में जिमनास्टिक चैम्पियनशिप

राजस्थान राज्य जिमनास्टिक संघ के तत्वावधान में, नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में तीन दिवसीय सीनियर स्टेट जिमनास्टिक चैम्पियनशिप का 27 नवम्बर को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया थे। नितुल चंडालिया,अतुल चंडालिया,अंतर्राष्ट्रीय तैराकी कोच दिलीप सिंह चौहान, राजेन्द्र नलवाया, राजस्थान राज्य जिमनास्टिक अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़, परमेश्वर कुमार एवं कान सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर प्रशांत भैया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया। उदयपुर जिला जिमनास्टिक संघ के अध्यक्ष हिम्मत सिंह चौहान के अनुसार प्रतियोगिता में महिला वर्ग में जोधपुर की टीम प्रथम, नागौर द्वितीय एवं अजमेर की टीम तृतीय स्थान पर रही। वहीं पुरूष वर्ग में जोधपुर की टीम प्रथम, भीलवाड़ा की द्वितीय और उदयपुर की टीम तृतीय स्थान पर रही। सचिव भरत सिंह भाटी ने बताया कि व्यक्तिगत स्पर्धा में दिशा - प्रथम, ईशा - द्वितीय एवं दीपा - तृतीय स्थान पर रहीं। यह तीनों विजेता जोधपुर से हैं। पुरूष वर्ग में जोधपुर के शुभम - प्रथम, भीलवाड़ा से प्रतीक - द्वितीय और उदयपुर के कृष्ण - तृतीय रहे।

दानवीर भामाशाह का हार्दिक आभार

स्व. श्री जदुनाथ सिंह एवं स्व. श्रीमती रेशमा देवी
कासगंज (उत्तर प्रदेश)

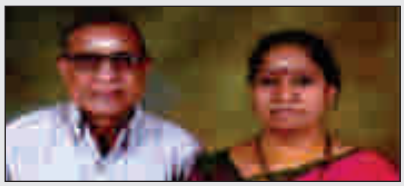

श्री एवं श्रीमती के. स्वर्णा सुब्रमन्याचार्य
वीवी नगर,हैदराबाद (तेलंगाना)

झीनी झीनी रोशनी–67

जब कैलाश जी के सेवा कार्यों के बारे में इन सब विभूतियों को बताया गया तो ये सब भी प्रसन्न हुए।

कैलाश जी को इन लोगों की बातें सुनकर कुछ न कुछ सीखने को ही मिलता। अब वह हर शनिवार सत्संग में भाग लेने लगे। सेन्ट्रल जेल में भी डा. आर. के. अग्रवाल सत्संग कराने लगे। वे सब कैदियों को कतार से बिठा देते और सबसे सामूहिक रूप से कीर्तन करवाते। कीर्तन के पश्चात डा. अग्रवाल कैदियों को अत्यन्त सरल भाषा में उपदेश भी देते। कैलाश जी भी जब कभी वहां उपस्थित होते तो डा. अग्रवाल कैलाश जी को भी अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करते। इसका परिणाम यह निकला कि धीरे-धीरे कैलाश जी को बोलने का भी अच्छा अभ्यास हो गया। वह कैदियों से उनके अनुभव और उनकी अनुभूतियां भी जानने लगे।

इन तीन-चार गतिविधियों के अनायास जुड़ जाने से कैलाश जी की व्यस्तताएं बढ़ने लगी, इसके बावजूद बीसलपुर जाने के उनके क्रम में व्यवधान नहीं हुआ। एक बार राजमल भाईसा ने मुम्बई से मफतकाका द्वारा भेजे गए कपड़ों में से दो बोरे कपड़े उन्हें दिये और कहा कि उदयपुर में बांट देना। सभी कपड़े विदेशी थे जो मफतकाका को विदेश से मिलने वाली राहत सामग्री का हिस्सा थे।

इतने बढ़िया कपड़ों की दो बोरियां मिल जाने पर कैलाश जी अत्यन्त उत्साहित थे। बीसलपुर में तो सभी ने मिल कर बोरियां बस पर चढ़वा दी थी, बाली में बस बदलनी थी। यहां बोरियां बस से उतार कर वापस उदयपुर की बस में चढ़ानी थी। कोई हमाल या मजदूर नजर नहीं आ रहा था। बस से उतारने का काम तो आसान था, कैलाश जी ने खुद ही बस की छत पर चढ़ कर बोरियां नीचे पटक दी, कपड़े थे इसलिये किसी तरह की टूट-फूट का खतरा भी नहीं था। असली कठिनाई वापस इन बोरियों को उदयपुर की बस में चढ़ाने की थी। इधर-उधर देखा, बस कन्डक्टर से भी विनती की मगर कोई उनकी सहायता हेतु आगे आने को तैयार नहीं था। बड़ी मुश्किल से एक-एक करके दोनों बोरे उन्होंने बस की सीढ़ी चढ़कर ऊपर पहुँचाए।

बोरे जब उदयपुर पहुँच गये तब प्रश्न यह खड़ा हो गया कि इन वस्त्रों का वितरण कहां और कैसे किया जाय। उदयपुर में गरीब बस्तियां तो बहुत थी मगर सिटी रेल्वे स्टेशन के पास अवस्थित झुग्गी झोंपड़ियों में रहने वालों की स्थिति सबसे दयनीय प्रकट होती थी। वस्त्र वितरण की शुरूआत इसी बस्ती से करने का निश्चय किया गया।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता
मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई
कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी,
टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी
कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज,
प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
फ्लेट नम्बर 202,गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम
बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास,
बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड,
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोडिया रोड,
वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुवन भयं पथ,
सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख
सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान,
कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान न. 8/153, ई-3,
न्यू लॉयर कॉलोनी,
पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक
सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला
मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

प्राकृतिक चिकित्सा

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं
एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

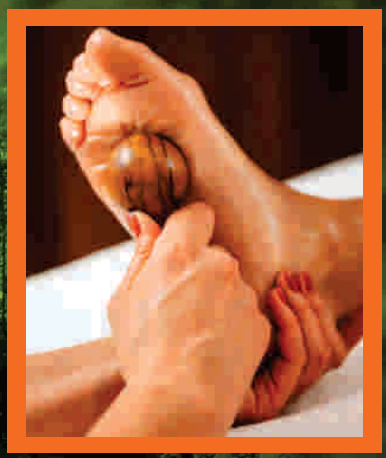

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

सम्पर्क करें +91 294 662 2222 +91 7023509999

Seva Soubhagya Print Date 1 January, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-